जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके हिरदये सिया राम वसे तिन और का नाम लिया न लिया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके घर एक सपूत बहयो तिन लाख कपूत हुआ न हुआ रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिन मात पिता की सेवा की तीन तीर्थ वर्त किया न किया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

जिनके द्वारे पर गंग बहे तिन कूप का नीर पिया न पिया रे
जिनके हिरदये सिया राम वसे

तुलसी दास विचार करे कपटी को मीत किया न किया
जिनके हिरदये सिया राम वसे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16695/title/jinke-hirdye-siya-ram-vase

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |